



३१/१६

पञ्जावली आज "आम आण्डे आरु"
केसु आण्डे के रेडा डरु नामाप्रकार,
अपील स्वीकार लेकुकी है इकलिये-
याभी प्राप्ति, वर का प्रमाण

जब कोई अचिंत्य स्त्री बरना
है अतः पचावली (उठना) लक्षण
दिखा जाता है पचावली फेस
कुमा (होना) कविना 4/1/2

सिंहायक कलकठ
डीडवाना